भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4238 का उत्तर

एबीएसएस के तहत सोनीपत और जींद रेलवे स्टेशनों का चयन

4238. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सोनीपत और जींद रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले स्टेशनों के रूप में उन्नयन करने के लिए चुना गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों में इस योजना के अंतर्गत प्रमुख विशेषताएं और अवसंरचना में सुधार का ब्यौरा क्या है और यातायात सुविधाओं, डिजिटल सेवाओं और सुदृढ़ अवसंरचना में सुधार का ब्यौरा क्या है;
(ग) एबीएसएस के तहत जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए आवंटित कुल बजट कितना है और परियोजना के पूरा होने की समय-सीमा क्या है; और
(घ) क्या सरकार को ट्रेन संख्या 20807/20808 और 22455/22456 के ठहराव के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): सोनीपत और जींद रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किया गया है। इन स्टेशनों पर विकास कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

सोनीपत स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और नए पैदल पार पुल, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टरों, प्रवेश द्वार प्रांगण, स्टेशन भवन के प्लंबर, सेनिटरी संबंधी कार्य और फिनिशिंग कार्य, परिचालन क्षेत्र में सुधार आदि कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

जींद स्टेशन पर, स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है तथा नए पैदल पार पुल का निर्माण, प्लेटफार्म की सतह ऊंचा उठाना, प्लंबिंग, स्टेशन भवन के प्लंबर, सेनिटरी संबंधी कार्य और फिनिशिंग का कार्य, प्लेटफार्म शेल्टरों, परिचालन क्षेत्र में सुधार आदि कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए क्योस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि शामिल हैं और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 34 स्टेशन हरियाणा राज्य में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हरियाणा राज्य में विकास हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	अमृत भारत स्टेशनों की संख्या	अमृत भारत स्टेशनों के नाम
हरियाणा	34	अंबाला कैंट, अंबाला सिटी, बहादुरगढ़, बल्लभगढ़, भट्टू, भिवानी जंक्शन, चरखी दादरी, फरीदाबाद, फरीदाबाद एनआईटी, गोहाना, गुरुग्राम, हांसी, हिसार, होडल, जींद, कलांवाली, कालका, करनाल, कोसली, कुरुक्षेत्र, लोहारू, महेंद्रगढ़, मंडी आदमपुर, मंडी डबवाली, नारनौल, नरवाना, पलवल, पानीपत, पटौदी रोड, रेवाड़ी, रोहतक, सिरसा, सोनीपत, यमुनानगर जगाधरी

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के उन्नयन/विकास को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। सोनीपत और जींद रेलवे स्टेशन उत्तर रेलवे के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1,531 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए अग्नि संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट

सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

वर्तमान में, सोनीपत और जींद स्टेशन क्रमशः 56 और 79 रेल सेवाएं द्वारा सेवित किया जा रहा है। इसके अलावा, भारतीय रेल पर प्रस्तावों की प्राप्ति और उचित जांच के बाद उन पर निर्णय करना यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता आदि के अध्यधीन एक सतत् प्रक्रिया है।

******